मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 | अंक : 108 | रविवार 5 जुलाई 2026 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. | Mobile.:- 9822045566

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com | Google Play | GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

epaper.ulhasvikas.com

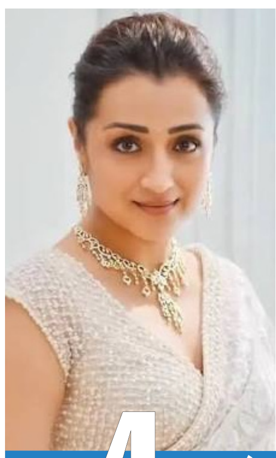

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

तृषा कृष्णन ZARA की होम डिलीवरी पर भड़कीं

भारी बारिश से बारवी डैम का जलस्तर बढ़ा

- ठाणे जिले में मूसलाधार बारिश
- उल्हास नदी का वॉटर लेवल बढ़ा

उल्हासनगर. राज्य में मॉनसून की बारिश भले ही देर से आई, लेकिन जून के आखिरी हफ्ते और जुलाई के पहले हफ्ते में भारी बारिश हुई। अब तक ठाणे जिले में जून की औसत बारिश का 71 परसेंट हिस्सा हो चुका है। इसमें सबसे ज़्यादा बारिश ठाणे शहर में और सबसे कम बारिश शहापुर तालुका में रिकॉर्ड की गई है। इस बीच, कर्जत और माथेरान इलाकों में हो रही बारिश की वजह से उल्हास नदी का वॉटर लेवल भी काफी बढ़ गया है।

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ (MIDC) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 4 जुलाई की सुबह तक बारवी डैम में पानी का स्तर 23.55 प्रतिशत दर्ज किया गया है। पिछले वर्ष आज ही के दिन डैम में पानी का स्तर 58.65 प्रतिशत था. शुरुआत में बारिश की कमी के कारण जलस्तर काफी कम हो गया था, लेकिन हाल ही में हुई बारिश के बाद इसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। बारवी डैम में वर्तमान पानी का स्तर 58.20 मीटर (कुल क्षमता 72.60 मीटर) है. कुल उपयोगी जल स्टॉकः 79.82 दशलक्ष घनमीटर (MCM) है, वहीं आज औसत बारिश 42.60 mm हुई है. इस सीजन की कुल औसत बारिश 308.20 मिलीमीटर बारिश दर्ज हो चुकी है।

जिले की बारिश रिपोर्ट के मुताबिक, कोंकण इलाके के ठाणे जिले में पिछले कुछ दिनों से अच्छी बारिश हो रही है। जून के आखिरी हफ्ते और जुलाई की शुरुआत में भी अच्छी बारिश हो रही है। इस वजह से जगह-जगह पानी भरने की घटनाएं सामने आई हैं।

उल्हास नदी के पानी का लेवल बढ़ा

कर्जत तालुका से बहने वाली उल्हास नदी में कई सहायक नदियाँ मिलती हैं। कर्जत और माथेरान इलाकों में हो रही भारी बारिश की वजह से उल्हास नदी ओवरफ्लो हो जाती है। पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से बदलापुर शहर में उल्हास नदी के पानी के लेवल में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। शुक्रवार को दोपहर करीब 1 बजे 11.85 मीटर पर मौजूद पानी का लेवल दोपहर 1 बजे 11.94 मीटर और 3 बजे 12.04 मीटर हो गया। इस वजह से उल्हास नदी चौपाटी के पास चैनल में बहती हुई दिखी।

ठाणे जिले में औसत 69.5 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड

- शुक्रवार, 3 जुलाई को ठाणे जिले में औसत 69.5 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। जुलाई महीने में कुल बारिश 269.1 मिलीमीटर तक पहुंच गई है। 3 जुलाई को ठाणे तालुका में सबसे ज़्यादा 126.5 mm बारिश हुई।
- इसके अलावा, भिवंडी में 93.5 mm बारिश, अंबरनाथ में 76.1 mm बारिश, उल्हासनगर में 72.5 mm बारिश और कल्याण में 63.7 mm बारिश रिकॉर्ड की गई है, शहापुर में 43.4 mm बारिश और मुरबाद तालुका में सबसे कम 37.4 mm बारिश रिकॉर्ड की गई है।
- जून महीने से अब तक देखें तो पूरे ठाणे ज़िले में कुल 395.5 mm बारिश रिकॉर्ड की गई है।
- एवरेज देखें तो यह बारिश जून से अब तक होने वाले एवरेज का 71.5 परसेंट रही है। इसमें, ठाणे तालुका में जून से अब तक 601.5 mm बारिश हुई है, जो एवरेज का 99.1 परसेंट है। ज़िले में सबसे ज़्यादा बारिश ठाणे शहर में हुई है।
- उल्हासनगर और भिवंडी तालुका में एक के बाद एक 443.0 mm (94.7 प्रतिशत) और 480.7 mm (89.2 प्रतिशत) बारिश हुई है। हालांकि, शाहपुर तालुका में जून के बाद से सबसे कम बारिश हुई है, यानी सिर्फ़ 255.5 mm, जो औसत का सिर्फ़ 49.7 प्रतिशत है।
- खास बात यह है कि ठाणे ज़िले में इस साल जून में असल में सिर्फ़ 126.4 mm बारिश हुई।

अंबरनाथ शिव मंदिर परिसर में जलजमाव

- हर वर्ष मंदिर व परिसर पानी में डूबता है
- लगातार बारिश हुई तो बाढ़ का खतरा
- रिलायंस परिसर के निवासी परेशान

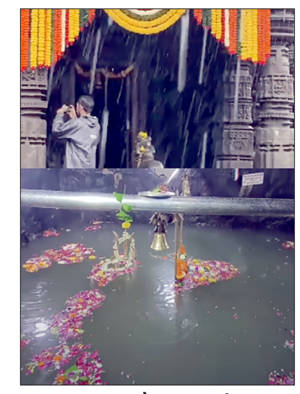

उल्हासनगर. उल्हासनगर व अंबरनाथ में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश का असर 11वीं सदी के ऐतिहासिक अंबरनाथ प्राचीन शिव मंदिर पर भी दिखाई दिया है। लगातार हो रही तेज़ बारिश के कारण मंदिर के प्रवेश मार्ग पर बने पुल के नीचे तक पानी लबालब भर गया है, जिससे पूरा मंदिर परिसर में पानी का भारी जलजमाव होते नजर आ रहा है। मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे एक श्रद्धालु ने इसका वीडियो साझा करते हुए बताया कि लगातार बारिश के कारण चारों ओर पानी भर गया है। हालांकि प्राचीन शिव मंदिर की संरचना सुरक्षित है, लेकिन जलभराव के कारण श्रद्धालुओं को आने जाने में परेशानी और दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि अंबरनाथ शिव मंदिर का निर्माण वर्ष 1060 ईस्वी में शिलाहार राजवंश के राजा चित्तराज ने कराया था। वहीं अंबरनाथ के प्राचीन शिव मंदिर के पास से जो रास्ता रिलायंस की तरफ जाता है, उस रास्ते पर पूरी तरह पानी भर जाने के कारण लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने वहां से गुजरने वाले लोगों के लिए आवागमन व यातायात पूरी तरह बंद कर दिया गया है। नागरिको का कहना है कि अगर ऐसे ही बारिश होती रही तो आगे की स्थिति और भयावह हो सकती है। मौसम विभाग ने कल ही सुचना दि थी कि अगले 24 घंटे तक माध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई थी , जिसके चलते प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जा सकती है। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि मंदिर दर्शन के लिए आने से पहले स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी यातायात और मौसम संबंधी अपडेट की जानकारी अवश्य लें, ताकि किसी भी तरह की असुविधा या जोखिम से बचा जा सके.

'पोकलेन सफर' मामले में डबल एक्शन

उल्हासनगर. पोकलेन में बच्चों की जानलेवा यात्रा की घटना पर आखिरकार प्रशासन और पुलिस ने सख्ती कर दी है। मनपा कमिश्नर मनीषा अव्हाले के आदेश पर ठेकेदार शशांक मिश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जबकि उल्हासनगर पुलिस ने पोकलेन ड्राइवर सोनू रामलखन राम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उल्हासनगर कैंप-1 के राजीव गांधीनगर इलाके में कोणार्क रेजीडेंसी के पास नाले की सफाई के दौरान बच्चों को पोकलेन की बाल्टी में बैठाने का वीडियो वायरल होने के बाद उपजे गुस्से का असर अब असल में दिखने लगा है।

नाले की सफाई के दावों की पोल खुली

- जीजा माता कालोनी को पानी के संकट से बचाया गया

उल्हासनगर. जीजामाता कॉलोनी के लोग, जो 34 घंटे से अपने घरों, आंगनों और सड़कों पर जमा पानी से जूझ रहे थे, उन्हें आखिरकार बुधवार आधी रात को राहत मिली। महापौर की मौजूदगी में JCB की मदद से बंद नाले को साफ किया गया और जैसे ही पानी निकलना शुरू हुआ, लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर उप महापौर के वार्ड में नाले की सफाई के दावों की पोल खोल दी है।

उप महापौर अमर लुंड के वार्ड नंबर 17 कैंप 4 जीजामाता कॉलोनी इलाके में मंगलवार शाम 4 बजे से चार से पांच फीट पानी भर गया था। इस गंभीर स्थिति की जानकारी मिलने पर फायर डिपार्टमेंट के ऑफिसर सुरेश बॉम्बे, राजेंद्र राजम, पंकज पवार, नितिन गूजर, सुशील पवार के साथ पब्लिक हेल्थ ऑफिसर मनीष हिवारे, एकनाथ पवार और 15 से 20 सफाई कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंची और घरों में फंसे लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पर पहुंचाया।

इसके बाद, पब्लिक हेल्थ ऑफिसर मनीष हिवारे, एकनाथ पवार के साथ 15 से 20 सफाई कर्मचारी मौके पर पहुंचे। दो पंप की मदद से पानी निकाला गया।

> ठीक से सफाई न होने की वजह से नाला पूरी तरह भर गया था। इस वजह से पानी नहीं निकलने से स्थिति और गंभीर हो गई थी। बुधवार दोपहर मेयर अश्विनी निकम और कॉर्पोरेटर दुर्गा राय ने मौके पर जाकर जांच की। जैसे ही पता चला कि नाले में रुकावटों को हटाने के लिए JCB की ज़रूरत है, तुरंत मशीन बुलाई गई। रात 9 बजे JCB आने के बाद खुदाई का काम शुरू हुआ। करीब छह घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार पानी की निकासी शुरू हुई। देर रात तक JCB की मदद से सड़क खोदी गई और पानी की निकासी शुरू हो गई है। हालांकि, लगातार बारिश के कारण पानी अभी भी जमा हो रहा है। इसलिए, किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए मौके पर स्टाफ तैनात किया गया है।
>
> – **मनीष हिवारे**, हेल्थ ऑफिसर

मद्रासी पाड़ा में नालों पर बने अवैध कब्ज़े गिराए गए

- घरों में पानी घुसने के बाद जागा प्रशासन

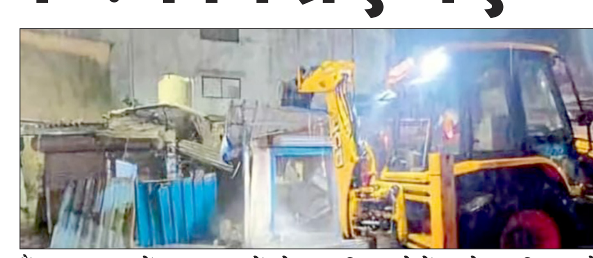

उल्हासनगर. मानसून के दौरान नालों की ठीक से सफ़ाई न होने की वजह से नालों के जाम होने और घरों में पानी घुसने की घटनाओं से नाराज़ उल्हासनगर मनपा ने अब कब्ज़ों के ख़िलाफ़ कड़ा रुख़ अपनाया है. मनपा ने गुरुवार (गुरुवार) रात कैंप-4 के मद्रासी पाड़ा इलाके में एक बड़े नाले पर बने अवैध घरों और दुकानों पर बुलडोज़र चलाकर कार्रवाई की. प्रशासन ने कैंप-1 से कैंप-5 तक नालों पर हुए कब्ज़ों को हटाने की चेतावनी दी है.

मेयर अश्विनी निकम ने कहा कि कैंप-4 इलाके में नालों के जाम होने की वजह से कई घरों में पानी घुस गया था. नालों पर हुए कब्ज़ों को हटाने का फ़ैसला किया गया है ताकि लोगों को भविष्य में जलभराव का सामना न करना पड़े.

असिस्टेंट कमिश्नर सलोनी निमकर ने कहा कि संबंधित कब्ज़ों वालों को कानूनी नोटिस जारी किए गए थे. अब समयसीमा खत्म होने के बाद कब्ज़े हटा दिए गए हैं.

उल्हास नदी के पूरे फ्लो पर, फिर भी बदलापुरवासी प्यासे

- अथॉरिटी का अजीब दावा - आंध्र डैम से पानी नहीं छोड़ा जा रहा, लोगों में गुस्सा

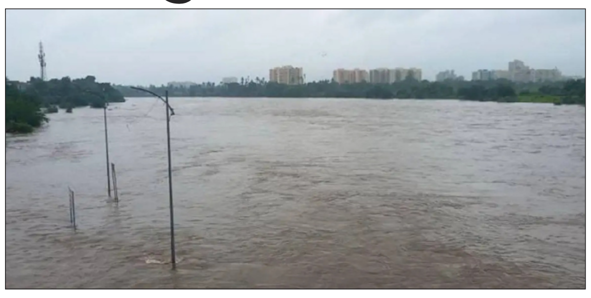

बदलापुर. पिछले कुछ दिनों से अच्छी बारिश होने की वजह से MIDC की तरफ से अनाउंस की गई 48 घंटे की पानी कटौती इस हफ़्ते कैंसल कर दी गई। लेकिन, बदलापुर शहर, जिससे उल्हास नदी बहती है, वहां उल्हास नदी के पूरे फ्लो पर बहने पर भी पानी कटौती हो रही है। हालांकि लोकल लाइफ अथॉरिटी के अधिकारी आंध्र डैम से पानी न छोड़े जाने को वजह बता रहे हैं, लेकिन बदलापुर के लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि जो नदी पूरे फ्लो पर बह रही है, उसे और किस डैम से पानी की ज़रूरत है।

इस साल मॉनसून की बारिश पर एल नीनो का असर पड़ेगा, और इसी वजह से राज्य सरकार ने वॉटर मैनेजमेंट पॉलिसी अपनाई थी। जून में, एडमिनिस्ट्रेशन ने बारिश से डैमेज हुए डैम और पानी के सोर्स में कम वॉटर लेवल को देखते हुए जिले के सभी शहरों में पानी कटौती लागू की थी। MIDC एडमिनिस्ट्रेशन ने बारवी डैम का वॉटर लेवल कम होने की वजह से 48 घंटे का वॉटर कट लगाया था, जिससे ज़िले के ज़्यादातर शहरों को पानी मिलता है। महाराष्ट्र लाइफ अथॉरिटी, जो अंबरनाथ और बदलापुर शहरों को पानी देती है, ने 20 परसेंट वॉटर कट लगाया था। इसलिए, हफ़्ते में एक या दो दिन साइकल के हिसाब से पानी काटा जा रहा था।

लेकिन, जून के आखिरी हफ़्ते में हुई भारी बारिश और उल्हास नदी में पानी बढ़ने के बाद, महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने ज़िले में 48 घंटे का वॉटर कट कैंसिल करने का फ़ैसला किया था। असल में, अगर मॉनसून के दौरान उल्हास नदी पर बने अप्टी डैम में वॉटर लेवल बढ़ता है, तो पानी की चिंता दूर हो जाती है। इसीलिए MIDC ने यह फ़ैसला लिया। लेकिन, महाराष्ट्र लाइफ अथॉरिटी ने एक अजीब दावा किया है कि वॉटर कट कैंसिल नहीं किया जा सकता, यह कहते हुए कि उसी नदी पर दो किलोमीटर आगे बने बैराज डैम में वॉटर लेवल नहीं बढ़ा है और आंध्र डैम से पानी नहीं छोड़ा जा रहा है।

शुक्रवार दोपहर 3 बजे उल्हास नदी का पानी का लेवल बढ़कर 12 मीटर तक पहुंच गया था। इसलिए, लोग सवाल उठा रहे हैं कि नदी का पानी का लेवल बढ़ने के बाद भी बदलापुर में पानी क्यों कम किया जा रहा है।

अंबरनाथ में भारी बारिश के दौरान करीब 12 पेड़ गिरे

- अंबरनाथ फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारियों ने पेड़ों को पूरी तरह से काटकर ट्रैफिक के लिए सड़कें साफ कीं

अंबरनाथ. मंगलवार शाम से हो रही भारी बारिश के कारण अंबरनाथ शहर में अलग-अलग जगहों पर करीब 12 पेड़ गिर गए हैं। अंबरनाथ फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारियों ने इन गिरे हुए पेड़ों को हटाने और सड़कों को साफ करने के लिए पूरे दिन मेहनत की।

भारी बारिश ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है और इस भारी बारिश में अंबरनाथ शहर में खतरनाक हालत में पहुंच चुके पेड़ गिर गए हैं। हालांकि गिरे हुए पेड़ों से कोई जान का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन ट्रैफिक में रुकावट आई। एक जगह तो एक बड़ा पेड़ बिजली के तार पर गिर गया, जिससे बिजली के तार गिर गए। उस इलाके में बिजली की सप्लाई भी बाधित हो गई। अंबरनाथ फायर डिपार्टमेंट के चीफ भागवत सोनो और उनकी टीम ने बुधवार सुबह से करीब 12 जगहों पर गिरे हुए पेड़ों को पूरी तरह से काटकर ट्रैफिक के लिए सड़क साफ कर दी।

दिन भर हुई भारी बारिश के दौरान करीब 12 जगहों पर पेड़ गिरे, जिनमें अंबरनाथ के फॉरेस्ट नाका इलाके में, आनंद नगर टी-सर्किल के पास, नवरे नगर इलाके में गणपति मंदिर के पास, हुतात्मा चौक पद्मावती कॉम्प्लेक्स के पास, शिवालिकनगर गैस गोदाम के पास, मालागिरी सोसाइटी बिल्डिंग नंबर 26, 27 के पास, लाडिनाका मंदाकिनी स्कूल के पास, न्यू बालाजी नगर इलाके में, ग्रीन सिटी रोड मोतीराम प्राइड के पास और गायकवाड़ पाड़ा इलाके में पेड़ गिरे। भारी बारिश के दौरान अंबरनाथ फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारियों ने पेड़ों को हटाकर ट्रैफिक के लिए रास्ता साफ करने के लिए बहुत मेहनत की। अगर भारी बारिश हो रही है, तो लोग खतरनाक पेड़ों के पास न खड़े हों। फायर चीफ भागवत सोनोने ने लोगों से सुरक्षित जगहों पर पनाह लेने की अपील की है।

साथ ही, बुधवार को पूरे दिन अंबरनाथ शहर में शुरू हुई भारी बारिश को देखते हुए, चीफ ऑफिसर उमाकांत गायकवाड़, मेयर तेजश्री करंजुले, कॉर्पोरेटर अभिजीत करंजुले, कॉर्पोरेटर रोहिणी भोईर और दूसरे नगर निगम अधिकारियों ने पूरे शहर में हालात का जायजा लिया।

खास बात यह है कि चीफ ऑफिसर फायर डिपार्टमेंट की क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल में गए और सभी गिरे हुए पेड़ों के साथ-साथ पानी जमा होने की जगह का भी जायजा लिया।

जलजमाव की वजह से नाले में गिरा बुज़ुर्ग

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप 5 में स्वामी शांतिप्रकाश आश्रम मार्ग पर बारिश के पानी से भरी सड़क पर नाले का अंदाज़ा न लगाने की वजह से एक बुज़ुर्ग सीधे नाले में गिर गया। इलाके के एक दुकानदार ने फुर्ती दिखाई और उसे बाहर निकाल लिया।

इस घटना ने एक बार फिर शहर के ड्रेनेज सिस्टम की कमियों और सड़कों की खराब मरम्मत को उजागर किया है।

कैंप-5 में स्वामी शांतिप्रकाश आश्रम मार्ग पर भारी मात्रा में बारिश का पानी जमा होने की वजह से एक बुज़ुर्ग नाले का अंदाज़ा न लगाने की वजह से सीधे सड़क किनारे नाले में गिर गया। इलाके का एक सतर्क दुकानदार तुरंत मौके पर पहुंचा और बुज़ुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाला। पूरी घटना वहां मौजूद नागरिकों के मोबाइल कैमरे में कैद हो गई और इसका वीडियो वायरल हो रहा है।

इमारत की बालकनी का हिस्सा गिरा

ठाणे. मुंब्रा के अमृत नगर इलाके में स्थित दो मंजिला इमारत 'हिना कॉटेज' की बालकनी रात भारी बारिश के दौरान गिर गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ठाणे आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि इमारत में रहने वाले चार परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। मनपा के आपदा प्रबंधन के अनुसार, यह घटना रात 8.28 बजे घटी। अमृतनगर में सैफ्रॉन शॉप के पीछे स्थित एमटीएनएल परिसर में हिना कॉटेज नामक इमारत की पहली मंजिल की बालकनी का स्लैब अचानक गिर गया।

अंबरनाथ की महासभा में गालीगलौज

- दो नगरसेवक आपस में भिड़े
- सभा 10 मिनट स्थगित, पुलिस पहुंची

अंबरनाथ. अंबरनाथ में भाजपा-शिवसेना में गठबंधन होने के बावजूद शुक्रवार को हुई महासभा में दोनों पक्ष के कुछ नगरसेवक आपस में एक दूसरे के खिलाफ गालीगलौज करते हुए सीना तानकर आपस में भिड़ जाने के लिए खड़े हो गए थे. हायमास्ट का विषय चल रहा था. उस समय कुछ बात बढ़ी. एक नगरसेवक ने कथित जातिवाचक बात कहने पर सभागृह का वातावरण एकदम से गरमा गया. अश्लील गालीगलौज के साथ आरोप-प्रत्यारोप करते हुए गुस्से में एक-दूसरे के ऊपर दौड़कर जाने के बाद मामले की नजाकत को देखते हुए नगराध्यक्षा ने दस मिनट के लिए सभा को स्थगित कर दिया. इस दरम्यान दोनों पक्ष के वरिष्ठ नेताओं के फोन आने पर मामला शांत हुआ. अंबरनाथ पुलिस को जानकारी प्राप्त होने के बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद दल बल के साथ नपा कार्यालय पहुंचे. सभा रात 11 बजे समाप्त हुई. तब तक पुलिसकर्मी नपा कार्यालय में मौजूद थे. गठबंधन होने के बाद भी दोनों पक्षों के कुछ नगरसेवकों में कटुता देखी गई. विदित हो कि इससे पूर्व की एक महासभा में भी धार्मिक वक्तव्य पर दो सदस्यों में वाद-विवाद हो गया था. शहर में इस बात की चर्चा है कि जनता द्वारा चुन कर दिए गए नगरसेवक दूसरों के सामने अपने आप को कैसे पेश करें, ये सबक सीखने की जरूरत है. रात 11 बजे लगभग सभी 336 विषयों पर चर्चा करके प्रस्ताव पारित किए गए. शहर में 6 मीटर के रास्तों को 9 मीटर करने के विषय को स्थगति दी गई. सभागृह में दो नगरसेवकों के बीच हुई खड़ाजंगी को देखते हुए कहा जा रहा है कि गठबंधन तो हो गया, लेकिन मतभेद अभी भी कायम है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

पृथ्वी पर नया संकट

पृथ्वी की कक्षा में जिस रफ्तार से अंतरिक्ष कचरा बढ़ रहा है, उसका अनुमान उन देशों ने नहीं लगाया होगा, जो संचार संबंधी जरूरतों और सामरिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए वर्षों से उपग्रह भेजते रहे हैं। इन कचरों की वजह से फिलहाल पृथ्वी के लिए जोखिम पैदा होने की आशंका नहीं है, लेकिन आने वाले वर्षों में खतरा नहीं बढ़ेगा, यह भी नहीं कहा जा सकता।

दरअसल, अंतरिक्ष मलबे को साफ करने में न तो किसी की रुचि है और न ही इस संबंध में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया कारगर साबित हुई है। खबरों के मुताबिक, अंतरिक्ष में दस सेंटीमीटर से बड़े 36 हजार टुकड़े तैर रहे हैं, जबकि इसके कणों की संख्या करोड़ों में है। इस पूरे मलबे का वजन 13 हजार टन से अधिक है। विचित्र बात है कि तमाम देश सैन्य, संचार, कृषि, मौसम और खुफिया जरूरतों के लिए अंतरिक्ष में अपने उपग्रह तो भेजते हैं, लेकिन उनकी मियाद खत्म होने के बाद उनके निपटान की कोई तैयारी नहीं करते। कचरे की समस्या इसी वजह से बढ़ी है।

चिंता की बात यह है कि कई निजी कंपनियां भी व्यावसायिक उपग्रह अंतरिक्ष में भेज रही हैं, लेकिन इस समस्या को लेकर उनके पास भी कोई ठोस योजना नहीं है। उनका एकमात्र लक्ष्य अपना दबदबा कायम करना है। नतीजा यह है कि इस समय पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे उपग्रहों की संख्या 15 हजार से अधिक हो चुकी है। इनमें 10 हजार उपग्रह तो SpaceX कंपनी के हैं, जो भविष्य में बड़ी संख्या में और उपग्रह भेजने की योजना बना रही है।

इससे आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष कचरे की मात्रा बेतहाशा बढ़ेगी। ये इसलिए खतरनाक बताए जा रहे हैं, क्योंकि ये करीब सात किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से घूम रहे हैं। इस कचरे को निपटाने के मौजूदा तरीके भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। पृथ्वी के वायुमंडल में धकेले जाने के बाद ये जल तो जाते हैं, लेकिन इससे कार्बन कण पैदा होने के कारण ओजोन परत पर असर पड़ता है। आखिरकार इसकी कीमत मनुष्यों को ही चुकानी पड़ेगी। इस कचरे को साफ करने की ठोस योजना नहीं बनी, तो अंतरिक्ष से लेकर पृथ्वी तक आशंका के बादल मंडराते रहेंगे।

विमर्श

बच्चों पर मंडराता साइबर खतरा

इंटरनेट मीडिया की दुनिया में आज बच्चों का बचपन लाइक्स और व्यूज के बीच पलने को मजबूर है। बच्चे के मोबाइल स्क्रालिंग, चैटिंग, रील्स देखने के साथ-साथ रील्स बनाने में मां-बाप की सक्रिय सहभागिता चिंता का विषय बन रही है। इसके कारण 80 प्रतिशत से भी अधिक बच्चों के चित्र अथवा उनके वीडियो इंटरनेट पर विद्यमान हैं। इसका अर्थ है कि खेलने, खाने, पढ़ने और कुछ रचनात्मक कार्य करने की उम्र में हम स्वयं ही उन्हें साइबर बुलिंग, आनलाइन शोषण, डिजिटल लत के साथ-साथ निजता के हनन और अनचाहे मानसिक दबाव की ओर घकेल रहे हैं।

विश्व में आज करीब 40 करोड़ बच्चे इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। भारत में नौ से तेरह साल के लगभग 76 प्रतिशत बच्चे फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं यू-ट्यूब जैसे इंटरनेट मीडिया का प्रयोग केवल समय बिताने के लिए ही नहीं कर रहे, बल्कि वे किड्स इन्फ्लुएंसर बनने की ओर भी अग्रसर हैं। आज अकेले इंस्टाग्राम पर 83 हजार से भी अधिक किड्स इन्फ्लुएंसर सक्रिय हैं। हाल के वर्षों में इनकी संख्या में 41 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि हुई है।

इंटरनेट मीडिया से संलग्न बच्चे अब केवल रील्स अथवा वीडियो देखने वाले ही नहीं रह गए हैं, बल्कि कंटेंट क्रिएटर और प्रमोशन के लिए ब्रांड भी बन रहे हैं। कंटेंट क्रिएशन से ये लाखों रुपये भी अर्जित कर रहे हैं। सर्वेक्षण बताते हैं कि 2010 के बाद पैदा हुए 37 प्रतिशत बच्चे इंटरनेट मीडिया के क्षेत्र में इन्फ्लुएंसर बनना चाहते हैं।

इन बच्चों के एकाउंट, उनकी वीडियो शूटिंग, उसका संपादन तथा इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करने के कार्य इन बच्चों के मां-बाप संभालते हैं। यह किड्स डिजिटल इकोनमी केवल एक आर्थिक अवधारणा ही नहीं है, यह बाल अधिकारों, सुरक्षा, गोपनीयता और नैतिकता से जुड़ा मुद्दा भी है।

जब बच्चे इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय होते हैं, वीडियो देखते या गेम खेलते हैं, तो वे केवल मनोरंजन ही नहीं, डाटा भी उत्पन्न कर रहे होते हैं। उनके व्यवहार, आदतें, पसंद-नापसंद, रुचियां इन डिजिटल कंपनियों के लिए एक आर्थिक वैल्यू लिए होती हैं। यानी जब कोई बच्चा विडियो देखता है, कोई एप डाउनलोड करता है, गेम खेलता है अथवा आनलाइन कक्षा में भाग लेता है, तो ऐसे समय में उसकी लोकेशन, व्यवहार और उसकी रुचियों से जुड़े डाटा एकत्र किए जाते हैं। डिजिटल कंपनियां इस डाटा का उपयोग मार्केट रिसर्च, विज्ञापनों, व्यावसायिक रणनीतियों के निर्माण तथा एल्गोरिदमिक सिफारिशों के लिए करती हैं। यही वजह है कि बच्चों से जुड़े डाटा की सुरक्षा आज गंभीर चिंता का विषय बन रही है।

यह डिजिटल अर्थव्यवस्था बच्चों को शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता और नए वैश्विक अवसरों से जोड़ सकती है, परंतु इस लालच में यदि हमने उनकी डिजिटल सुरक्षा, गोपनीयता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा की तो यह गंभीर चुनौती भी बन सकती है। वर्तमान में इसके संकेत सामने आने भी लगे हैं। आज जब डिजिटल क्रांति की रफ्तार तेज है, ऐसे में संपूर्ण विश्व में यह बहस तेज हो रही है कि हम कहीं बच्चों को डिजिटल बाल श्रमिक तो नहीं बना रहे हैं। इस डिजिटल युग में कारखानों की जगह स्मार्ट फोन और मशीनों की जगह एल्गोरिदम ने ले ली है।

भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में बच्चों पर इंटरनेट मीडिया के बढ़ते दुष्प्रभाव को देखते हुए पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने बच्चों की आनलाइन प्लेटफार्म पर सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए। आस्ट्रेलिया ने अपने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया प्रतिबंधित कर दिया है। फ्रांस, स्पेन, डेनमार्क, इंडोनेशिया एवं मलेशिया ने भी किशोरों की आनलाइन सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए हैं। ब्रिटेन भी इसी तरह की योजना बना रहा है। इसे देखते हुए भारत में भी 16 साल से कम उम्र के किशोरों के लिए इंटरनेट मीडिया के प्रयोग पर पाबंदी को लेकर बहस तेज हो रही है। बच्चों के 5-6 घंटे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स पर रहने से उनमें भावनात्मक कमजोरी के साथ-साथ उनकी सोचने और समझने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी लगातार घट रही है।

ध्यानाभ्यास के दौरान अनुभव की गई खुशी व आनंद ध्यान से बाहर आने के बाद भी हमारे साथ बना रहता है। वह दिन भर हमारे साथ रह सकता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पश्चिम एशिया संकट का असर गहराया

पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त होने को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था के फिर से रफ्तार पकड़ने की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर में गिरावट और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ अब देश में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि भी धीमी पड़ गई है।

एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, विनिर्माण में वृद्धि का आंकड़ा इस वर्ष मई के 55.0 से घटकर जून में 54.2 पर पहुंच गया। यही नहीं, नई कारोबारी मांग और अंतरराष्ट्रीय बिक्री की वृद्धि दर सुस्त रहने से वस्तुओं की खरीद, रोजगार सृजन और उत्पादन की रफ्तार भी कम हो गई है। यानी कुछ उपक्रमों को छोड़ दिया जाए, तो देश के ज्यादातर क्षेत्रों की वृद्धि में गिरावट देखी जा रही है, जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

हालांकि, महंगाई से राहत दिलाने के लिए तेल कंपनियों ने बुधवार को वाणिज्यिक एलपीजी के 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर पर 183.50 रुपये और विमान ईंधन में पांच रुपये प्रति लीटर की कटौती की है, लेकिन पिछले दिनों बढ़ाए गए दामों के मुकाबले यह राहत बेहद कम है।

इसमें दोराय नहीं कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय था, लेकिन सवाल यह है कि सरकार की ओर से इसके प्रभाव को कम करने के लिए समय रहते वैकल्पिक उपाय तलाशने पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया? ऐसा भी नहीं है कि सरकार इस संकट की संभावनाओं से अनभिज्ञ थी। दावे किए जाते रहे कि स्थिति को संभालने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, मगर इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम धरातल पर कहीं नजर नहीं आते हैं।

एचएसबीसी की मासिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष जून में भारतीय वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में वृद्धि की रफ्तार 39 महीनों में सबसे कमजोर रही। इससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भारतीय निर्यात कारोबार पर कितना गहरा असर पड़ा है। सर्वेक्षण में कई कंपनियों ने माना है कि उन्हें हाल के दिनों में नई नियुक्तियां रोकनी पड़ीं या उन्हें कम कर दिया गया। इससे स्पष्ट है कि लोगों को रोजगार के मोर्चे पर भी नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

इसके अलावा मांग और बाजार की स्थिति को लेकर चिंता के कारण जून में निवेशकों और कारोबारियों का भरोसा भी कमजोर पड़ा है। खासकर विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार को लेकर रुख असमंजस भरा रहा है, जिस कारण विदेशी निवेश की निकासी का सिलसिला जारी है।

सर्वेक्षण से पता चलता है कि आने वाले दिनों में स्थिति सामान्य होने को लेकर भी भरोसा घट रहा है। यही वजह है कि अगले एक वर्ष में उत्पादन बढ़ने का अनुमान लगाने वाली कंपनियों का अनुपात इस वर्ष मई की तुलना में जून में आधा रह गया है।

वहीं, तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया में संघर्ष से कीमतों में आई तेजी के बाद वाणिज्यिक एलपीजी और विमान ईंधन के दामों में पहली बार कटौती की है। मगर सवाल है कि क्या महंगाई से यह राहत अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस के दामों में आई कमी के समान अनुपात में है? अक्सर यह देखा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने का हवाला देकर देश में ईंधन के दामों में बढ़ोतरी कर दी जाती है, लेकिन जब वैश्विक बाजार में कीमतें कम होती हैं, तो उनका पूरा लाभ उपभोक्ताओं को नहीं मिल पाता है।

धोखा देने में माहिर हैं ये नेपाली उस्ताद

बिनेपाल और भारत के बीच सदियों पुरानी सांस्कृतिक और व्यापारिक आत्मीयता है, लेकिन कुछ

जरा हट के

बेईमान व्यापारी इस रिश्ते का फायदा उठाकर भारतीय ग्राहकों को ठग रहे हैं. हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक नेपाली फेरीवाला खुलेआम बता रहा है कि वे भारत में बने शॉल, स्वेटर, कंबल और अन्य ऊनी सामान को नेपाल के प्रसिद्ध जुम्ला (Jumla) का मूल उत्पाद बताकर बेचते हैं.

यह बेशर्मी भरा खुलासा देखकर हजारों भारतीय नाराज हैं और इसे देश के साथ धोखा बता रहे हैं. वीडियो में फेरीवाला हंसते हुए कहता दिख रहा है कि भारतीय लोग नेपाल के माल को ज्यादा पसंद करते हैं इसलिए वे लोकल भारतीय उत्पादों को जुम्ला का बताकर महंगे दाम वसूलते हैं. जुम्ला नेपाल का एक इलाका है जो अपनी ऊनी शॉल्स, कंबलों और हस्तशिल्प

के लिए प्रसिद्ध है. असली जुम्ला के उत्पादों की अपनी अलग पहचान और कीमत होती है, लेकिन कुछ बेईमान व्यापारी इसका नाम इस्तेमाल कर सस्ता माल महंगे दामों पर थोप रहे हैं.

उत्तराखंड में पुरानी समस्या

उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्र में नेपाल से आने वाले फेरीवालों की लंबी परंपरा रही है. पहले ये लोग सच्चे नेपाली हस्तशिल्प लेकर आते थे और लोकल लोगों के साथ अच्छे संबंध रखते थे. लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कुछ लोग इस आत्मीयता का गलत फायदा उठा रहे हैं. तराई और पहाड़ी बाजारों में ये फेरीवाले सक्रिय रहते हैं और पर्यटकों तथा स्थानीय लोगों को आसानी से ठग लेते हैं. सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि "नेपाल के नाम पर भारतीय माल बेचना देश की अर्थव्यवस्था और भरोसे के साथ खिलवाड़ है." कई लोगों ने वीडियो शेयर करते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है. कुछ ने तो कहा कि ऐसे फेरीवालों पर प्रतिबंध लगना चाहिए और बाजारों में सख्त चेकिंग होनी चाहिए.

विशेषज्ञों के अनुसार यह समस्या सिर्फ उत्तराखंड तक सीमित नहीं है. दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के कई बाजारों में भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं. नेपाल से आने वाले कुछ व्यापारी सीमा पार से सामान लाते हैं लेकिन ज्यादातर भारत में ही सोर्सिंग करते हैं.

खमन ढोकला

सामग्री:

- 1 कप बेसन
- 1 चम्मच चीनी
- 1 चम्मच नमक
- 1 बड़ा चम्मच रिफाइंड तेल
- 1 चम्मच सरसों के बीज
- 3/4 कप पानी
- 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस
- 3/4 चम्मच बेकिंग सोडा
- 15 करी पत्ते
- गार्निशिंग के लिए
- 4 कटी हुई हरी मिर्च
- 1 चम्मच नारियल पाउडर
- 1 मुट्ठी धनिया पत्ती

विधि:

एक बड़ा मिश्रण का कटोरा लें और उसमें बेसन, नमक, पानी, नींबू का रस और बेकिंग सोडा मिलाएं. इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिला लीजिए. बैटर को 1-2 घंटे तक खमीर उठने दें. इसी बीच एक स्टीमर में उबला हुआ पानी डालें और बर्तन को तेल से चिकना कर लें.

ढोकला बैटर को चिकने बर्तन में डालें और धीमी आंच पर स्टीमर में 15-20 मिनट तक पकाएं. 15 मिनट बाद चाकू को ढोकले के अन्दर डाल कर चेक कीजिये. अगर चाकू साफ निकले तो उसे आंच से उतार लें. डिश को ठंडा होने दें और फिर चौकोर टुकड़ों में काट लें.

तड़के के लिए, मध्यम आंच पर एक पैन में तेल डालकर गर्म करें. जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए तो इसमें सरसों के बीज, करी पत्ता और खड़ी कटी हुई हरी मिर्च डालें. पैन में 1/2 कप पानी डालें और उबलने दें. 2-3 उबाल आने पर आंच धीमी कर दीजिए और 1/2 नींबू निचोड़ दीजिए, चीनी और हरा धनियां डाल दीजिए. अगर आप अधिक मात्रा में मसाला पसंद करते हैं, तो आप कुछ बारीक कटी हुई हरी मिर्च भी डाल सकते हैं.

आंच बंद कर दें और तड़के को ढोकले पर डालें और डिश के ऊपर नारियल का पाउडर छिड़कें. डिश को एक प्लेट में निकाल लें और अपनी पसंद की किसी भी मसालेदार चटनी जैसे हरे धनिये की चटनी के साथ परोसें.

आज का राशिफल

मेष : निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मिथुन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। आय होगी। प्रमाद न करें। पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क : कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शत्रु परास्त होंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कन्या : धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। कुसंगति से हानि होगी।

तुला : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। शत्रु परास्त होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृश्चिक : आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें। चोट व रोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु : भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर : आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। कार्य में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

कुंभ : पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। घर में तनाव रह सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

मीन : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मानसून में खान-पान को लेकर बरतें सावधानी

वरना हो सकती है फूड पॉइजनिंग

इन बातों का रखें ध्यान

देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसून की शुरुआत हो चुकी है। ये मौसम भीषण गर्मी से राहत दिलाने वाला माना जाता है, पर मानसून अपने साथ कई प्रकार की बीमारियों को लेकर भी आता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मानसून के दौरान सेहत के लेकर विशेष सावधानी बरतनी जरूरी है। क्या खाएं-क्या नहीं इस बात को लेकर अलर्ट रहने की जरूरत है। खान-पान में बरती गई असावधानी फूड पॉइजनिंग जैसी पाचन से संबंधित दिक्कतों का कारण बन सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, मानसून के दिनों में डायरिया, कब्ज और अपच जैसी पाचन स्वास्थ्य से संबंधित जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। फूड पॉइजनिंग से बचाव को लेकर उपाय करते रहना जरूरी है।

आइए जानते हैं, मानसून में पाचन संबंधित समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं और इसस बचाव के लिए आहार संबंधित किन बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

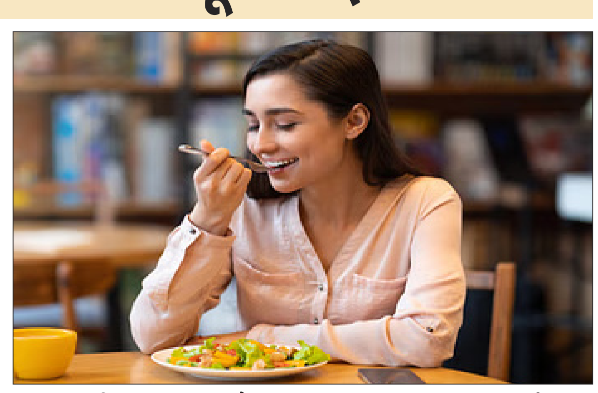

■ मानसून में फूड पॉइजनिंग का खतरा

फूड पॉइजनिंग बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी से दूषित खाद्य या पेय पदार्थों के कारण होने वाली समस्या है। आहार विशेषज्ञ गरिमा चावला बताती हैं, गर्मियों से लेकर मानसून तक का समय कई प्रकार के संक्रामक रोगों का जोखिम बढ़ाने वाला माना जाता है। इस दौरान खाद्य जनित संक्रमण का जोखिम सबसे अधिक देखा जाता है जिसके कारण फूड पॉइजनिंग हो सकती है। मानसून के दौरान खुले में या लंबे समय तक रखे गए भोजन में हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस पनपने लगते हैं जिससे पाचन स्वास्थ्य से संबंधित दिक्कतों का खतरा हो सकता है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

दिल्ली स्थित एक अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट डॉ अमित सिंह बताते हैं, बरसात के दिनों में सब्जियों-फलों को अच्छी तरह से धोकर और साफ करके ही खाना चाहिए। मानसून में बाहर खाने-पीने से बचना चाहिए। स्ट्रीट फूड, ज्यादा तेल वाली चीजें पाचन स्वास्थ्य के लिए समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

आइए जानते हैं कि मानसून के दिनों में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं?

■ मानसून में क्या खाना चाहिए?

- मानसून के दौरान कुछ चीजों को आहार में शामिल करना लाभकारी हो सकता है।
- **आहार में प्रोबायोटिक्स शामिल करें:** दही, छाछ जैसी चीजों का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। प्रोबायोटिक्स वाली चीजें गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देती हैं जिससे हमारा पाचन तंत्र ठीक रहता है।
- **हाइड्रेशन जरूरी:** पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है।
- पाचन संबंधित समस्याओं और विषाक्तता से बचे रहने के लिए उबाल कर ठंडा करके पानी पिएं।

क्या नहीं खाना चाहिए?

- मानसून के दौरान होने वाली समस्याओं से बचे रहने के लिए कच्ची सब्जियां खाने से बचें। कच्ची सब्जियों के बजाय उबली हुई या अच्छे से पकाकर ही सब्जियां खाएं।
- पत्तेदार साग खाने से भी इस मौसम में बचा जाना चाहिए। पत्तियों के बीच नमी के कारण इनमें विषाणुओं के पनपने का खतरा रहता है। साग खाने से बचना चाहिए।

इंटरव्यू देने जा रहे हैं तो लुक का रखें खास ध्यान

नौकरी पाने के लिए इंटरव्यू क्लीयर करना बेहद जरूरी होता है। इंटरव्यू क्लीयर करने के लिए लोग काफी-काफी समय पहले से तैयारी करते हैं, लेकिन फिर भी कई बार वो इसे पास नहीं करत पाते। बहुत से लोगों को ये समझ नहीं आता है कि उनका सिलेक्शन क्यों नहीं हुआ। ऐसे में आपको बता दें कि इंटरव्यू के लिए पढ़ाई करने के साथ-साथ आपको अपने लुक पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

■ भूलकर भी न पहनें ऐसे कपड़े

इंटरव्यू में अच्छा दिखना काफी जरूरी होता है। आपके पहनावे से ही सामने वाले पर आपका पहला इंप्रेशन पड़ता है, जिससे वो आपको जज करते हैं। हर इंटरव्यू में आपकी डिग्री और पढ़ाई के साथ-साथ आपकी पर्सनैलिटी को भी देखा जाता है।

बहुत से लोग तो इस बिना सोचे-समझे ऐसी फैशन मिस्टेक कर देते हैं, जिनकी वजह से उनका चयन नहीं हो पाता। अगर आप भी कहीं इंटरव्यू देने जा रहे हैं तो अपने लुक का ध्यान रखें। इंटरव्यू में कैसे कपड़े पहनने चाहिए, इस बात को समझने से आपकी बड़ी परेशानी हल हो सकती है।

■ फॉर्मल कपड़े पहने

पुरुषों को कोट-पैंट, अच्छी क्वालिटी की शर्ट और टाई इंटरव्यू के वक्त पहननी चाहिए। वहीं महिलाओं को भी फॉर्मल कपड़े ही पहनने चाहिए। अगर आप पैंट और शर्ट नहीं पहनना चाहती तो सूट भी कैरी कर सकती हैं।

■ कपड़े होने चाहिए साफ

आप जो भी कपड़े पहनें वो अच्छी तरह से साफ और अच्छे से प्रेस किए हुए होने चाहिए। दाग वाले और सिलवटों वाले कपड़े आपकी छवि को पहली बार में ही खराब कर सकते हैं।

■ रंग का रखें ध्यान

इंटरव्यू के दौरान गहरे रंग जैसे नेवी ब्लू, काला, ग्रे, या हल्का नीला, सादे और शालीन लगते हैं। आप इन्हीं रंगों का आउटफिट पहनें। अगर डार्क रंग नहीं पसंद तो एक दम लाइट शेड के कपड़ों का चयन भी कर सकते हैं।

■ ऐसे कपड़ों से रहें दूर

इंटरव्यू के दौरान गलती से भी बहुत अधिक चमकदार रंग के कपड़े नहीं पहनें। ये देखने में काफी अजीब लगते हैं। रंगों का ध्यान रखने के साथ-साथ ये भी ध्यान रखें कि ज्यादा कैजुअल कपड़ों में इंटरव्यू देने न जाएं। जींस, टी-शर्ट, स्नीकर आदि न पहनें। बहुत टाइट या ओवर साइज कपड़ों से भी दूरी बनाकर रखें।

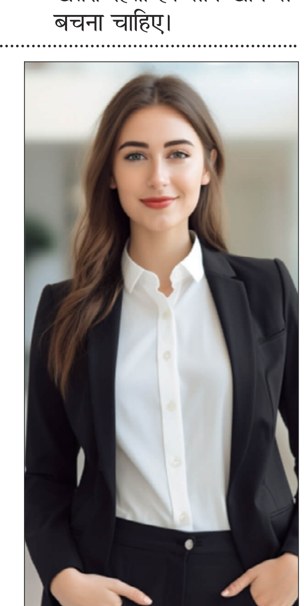

■ इन बातों का भी रखें ध्यान

इंटरव्यू देने जा रहे हैं तो ध्यान रखें कि आपके बाल अच्छे से बने हों। पुरुष खासतौर अपनी दाढ़ी का ध्यान रखें कि आपकी दाढ़ी सही से कटी हो। इसके साथ ही नाखून साफ और अच्छे से कटे हुए हों। महिलाएं ध्यान रखें कि उनका मेकअप हल्का हो।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

भैंस दिखाने के बहाने बंधक बनाकर युवती से गैंगरेप; पति को दूसरे कमरे में बंद किया

मेरठ. मेरठ के मुंडाली थाना क्षेत्र में भैंस खरीदने गई एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरूरपुर थाना क्षेत्र निवासी युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके भाई की मुंडाली क्षेत्र के दो डेयरी संचालकों से भैंस खरीदने की बात चल रही थी। इसी सिलसिले में वह दो दिन पहले अपने भाई के साथ मुंडाली पहुंची थी। आरोप है कि डेयरी पर मौजूद दोनों युवकों ने भैंस दिखाने के बहाने भाई-बहन को अपने घर के अंदर बुला लिया और दरवाजा बंद कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने उसके भाई को जबरन एक कमरे में बंद कर दिया। विरोध करने पर दोनों ने तमंचे के बल पर जान से मारने की धमकी दी और बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया।

बदनामी करा रही थी इसलिए मार डाला... भाई ने बहन की कर थाने में कबूल किया गुनाह

यूपी में एक बार फिर हॉरर किलिंग का मामला सामने आया है। झूठी शान को बचाने के चक्कर में एक भाई ने अपनी बहन का गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद भाई ने खुद पुलिस के पास जाकर अपना गुनाह कबूल किया। यहां तक की उसने ये भी बताया कि उसने बहन को क्यों और कैसे मारा। उसका कहना था कि बहन बदनामी करवा रही थी। लोहियानगर के रसूलनगर में मंगलवार दोपहर घर के अंदर हॉरर किलिंग की वारदात अंजाम दी गई।

मामले में मिली जानकारी के अनुसार छोटे भाई ने बड़ी बहन के प्रेम प्रसंग से नाराज होकर उसकी दुप्पटे से गला दबाकर हत्या कर दी। कत्ल के बाद लाश को स्टोर रूम में ही छोड़कर आरोपी खुद थाने पहुंचा और हत्या का खुलासा किया। बताया कि बहन बहुत बदनामी करा रही थी, इसलिए मार डाला। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घर से लाश बरामद की। वहीं, परिवार के बाकी लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

एक्सप्रेस-वे पर हादसा, कार को टक्कर मार खाई में पलटी स्लीपर बस, पांच की मौत

उन्नाव. उत्तर प्रदेश के उन्नाव में बुधवार की सुबह बड़ा हादसा हुआ है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार स्लीपर बस एक कार को टक्कर मारते हुए खाई में पलट गई है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। कई लोग घायल हैं। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में लगी हैं। करीब 85 यात्रियों को लेकर बस हरियाणा से बिहार जा रही थी। कार में आठ लोग सवार थे। मरने वालों में दो बच्चे हैं। कार सवार तीन लोग और बस के 17 लोग घायल हैं। सभी घायलों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

हादसा बांगरमऊ क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 230 पर गांव देवखरी के पास हुआ। मजदूरों को लेकर हरियाणा से बिहार जा रही बस अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर तोड़कर रॉन्ग साइड में घुस गई। इसी दौरान सामने से आ रही कार को कुचलती हुई खंती में पलट गई। चीख-पुकार के बीच आनन-फानन में घायलों को बांगरमऊ अस्पताल पहुंचाया गया।

TMC हेडक्वार्टर पर बागी गुट का कब्जा

- ताले हटाए, पोस्टर बदले, इनमें ममता की फोटो नहीं
- एक दिन पहले पार्टी सिंबल पर दावा किया था

कोलकाता. तृणमूल कांग्रेस (TMC) के बागी गुट ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित पार्टी हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में गुट ने दफ्तर के ताले बदल दिए और नए पोस्टर लगाए। नए पोस्टर्स में ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं थी। हालांकि, अंदर लगी उनकी तस्वीर और कटआउट को नहीं हटाया गया।

ममता के पास अब 22 विधायक और 17 सांसद बचे

टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से 4 सांसद इस्तीफा दे चुके हैं यानी सिर्फ 9 राज्यसभा सांसद बचे हैं। विधानसभा की बात करें तो टीएमसी ने इस बार के चुनाव में 80 सीटें जीती थीं। इसमें से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। ममता के पास सिर्फ 22 विधायक बचे हैं।

ऋतब्रत बनर्जी ने समर्थकों-नेताओं के साथ मुख्यालय में बैठक कर खुद को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। उन्होंने कहा कि अब पार्टी का काम यहीं से चलेगा। एक दिन पहले गुरुवार को उनके गुट ने चुनाव आयोग में पार्टी के नाम, चुनाव चिह्न और संगठन पर दावा पेश किया था।

ममता समर्थक कुनाल घोष मुख्यालय में घुस नहीं पाए

ममता बनर्जी समर्थक गुट के वरिष्ठ नेता कुनाल घोष कार्यालय पहुंचे, लेकिन गेट पर ताला लगे होने के कारण अंदर नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग ये दावा कर रहे हैं, वे निर्दलीय चुनाव जीतकर नहीं आए थे। कार्यालय पर कब्जा राज्य प्रशासन और पुलिस की सहमति से किया गया है।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद 3 जून को TMC के 80 में से 58 विधायक ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हो गए थे। 22 जून को हुई प्रतिनिधि बैठक में नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया था।

- बंगाल चुनाव में हार के बाद बागी गुट ने ऋतब्रत को नेता चुना

3 जून को टीएमसी में पहली बार बगावत की खबर सामने आई थी। 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया। इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। स्पीकर ने मंजूरी दे दी।

दिग्विजय करेंगे उज्जैन से अयोध्या तक 1000 KM पदयात्रा

उज्जैन. यूपी के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे में कथित अनियमितताओं के आरोपों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बड़ा ऐलान किया है। भोपाल में शुक्रवार को मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा- 2 अक्टूबर से उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि तक करीब 1000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करेंगे।

उन्होंने कहा कि यात्रा पूरी तरह गैर-राजनीतिक होगी। इसमें कांग्रेस का प्रचार नहीं होगा और वे यात्रा के दौरान फेसबुक, एक्स (ट्विटर) समेत किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए 1.11 लाख रुपए का चंदा दिया था। उनके पास आज भी चंदे की रसीद और चेक की प्रति सुरक्षित है।

PM मोदी बोले- भारत सबसे बड़े ऊर्जा संकट से उबरा

- राजस्थान रिफाइनरी का उद्घाटन किया

बालोतरा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- युद्ध के कारण जो हालात पैदा हुए, उसके कारण घरेलू गैस के दाम 2 हजार रुपए तक जा सकते थे। सरकार ने इसको लेकर बेहतर मैनजमेंट किया। इसी का परिणाम है, सिलेंडर 950 रुपए के करीब मिल रहा है।

PM आज (शनिवार) राजस्थान के दौरे पर रहे। दोपहर करीब 12 बजे वह बालोतरा के पचपदरा पहुंचे। यहां देश की सबसे आधुनिक रिफाइनरी के कंट्रोल रूम को देखा और एक्सपर्ट्स से

बात की। इसके बाद रिफाइनरी का उद्घाटन किया। जयपुर मेट्रो के फेज-2 की आधारशिला (वर्चुअल) भी रखी।

इससे पहले शनिवार सुबह करीब 10:40 बजे जोधपुर पहुंचे। यहां उन्होंने एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। नए टर्मिनल को देखा। 'उड़ान-2.0' की शुरुआत भी यहीं से की।

- 'युद्ध के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिखा'

अप्रैल से जून के बीच पेट्रोल-डीजल से ही कंपनियों को 75 हजार करोड़ रुपए का घाटा हुआ। ये इतना बड़ा था कि एक नई रिफाइनरी बन जाए। ये घाटा सरकारी खजाने से भरा गया।

युद्ध के समय भारत की दूसरे देशों से दोस्ती बहुत काम आई। पहले जहां 25-26 देशों से ईंधन खरीदते थे, वह 40 देशों तक पहुंच गया। युद्ध के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिखा।

40 साल की रीलबाज पत्नी को मार डाला

मेरठ. यूपी के मेरठ में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा चौहान (40) की शुक्रवार सुबह 6 बजे पति ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। इसके बाद पति प्रदीप चौहान (42) ने खुद पर भी कई वार किए। वह बुरी तरह जख्मी हो गया। बच्चे चीखते-चिल्लाते बाहर आए। पड़ोसी अंदर पहुंचे तो फर्श पर निशा खून से लथपथ पड़ी थी। कुछ दूरी पर घायल प्रदीप भी तड़प रहा था। वहीं मां को बचाने में बेटे की उंगली भी कट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने पत्नी को मृत घोषित कर दिया। वारदात 1170 वर्गफीट जमीन की रजिस्ट्री की वजह से हुई है। पुलिस के मुताबिक, जमीन की रजिस्ट्री आज ही होनी थी। निशा चाहती थी कि रजिस्ट्री उसके नाम पर हो, लेकिन प्रदीप तैयार नहीं था।

पति की हत्या करके बाथरूम में दफनाया, फर्श बनवाई

- उसी पर नहाती रही, 45 दिन बाद खुलासा;
- बोली- पीटता था, इसलिए मार डाला

आगरा. आगरा में महिला ने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम में दफना दिया। ऊपर से फर्श बनवा दी और उसी बाथरूम में रोजाना नहाती रही। 45 दिनों तक पुलिस और घरवालों को गुमराह किया। जांच के दौरान महिला पुलिस के साथ CCTV फुटेज देखती रही और रोने का नाटक करती रही। महिला के जेठ को उसके व्यवहार से शक हो गया। उसने महिला से कहा कि अगर कोई परेशानी हो तो वह साथ देगा। इसके बाद महिला ने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बाथरूम का फर्श तोड़ा, जहां से केवल कंकाल बरामद हुआ।

महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता था। इसी वजह से उसने खीर में 18 से ज्यादा नींद की गोलियां मिलाकर पति को खिला दीं, जिससे उसकी मौत हो गई। मैंने जेठ को फोन कर राजस्थान से बुलाया, लेकिन उन्हें घर के अंदर नहीं आने दिया।

मैं दोनों बच्चों और सास को घर से करीब 100 मीटर दूर ले गई और वहीं से तीनों को जेठ के साथ भेज दिया। इसके बाद शव को कमरे से खींचकर बाथरूम में ले गई और गड्ढा खोदकर दफना दिया।

खामेनेई की विदाई में काले कपड़े पहने लाखों लोग पहुंचे

- खून बहेगा, बदला-बदला के नारे लगाए
- ट्रम्प बोले- ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी

तेहरान. ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए शनिवार को लाखों लोग तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में जुटे हैं। शिया परंपरा के मुताबिक काले कपड़े पहने लोग छाती पीटकर मातम मनाते दिखे। इस दौरान लोगों ने 'खून बहेगा', 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'बदला, बदला' जैसे नारे भी लगाए।

तेहरान में 3 जुलाई से खामेनेई

के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में शुरू हो गई हैं जो 9 जुलाई तक चलेगी। कल शुक्रवार को कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि रूस, चीन, भारत और तुर्किये जैसे देशों के टॉप लीडर्स ने इससे दूरी बरती। ईरान की तरफ से न्योता भेजे जाने के बावजूद इन्होंने अपने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी है। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने मानवता के नाते ऐसा किया है। कार्यक्रम खत्म होने के तुरंत बाद ईरान को अमेरिकी शर्तें माननी होंगी।

सिया का दूसरा मोबाइल मिला

चेतन से कोडवर्ड में चैटिंग करती थी; दोनों 14 दिन येरवदा जेल में रहेंगे

पुणे. पुणे की वडगांव अदालत ने शुक्रवार को केतन अग्रवाल की हत्या के आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दोनों को पुणे की येरवदा जेल में रखा जाएगा। पुलिस ने दोनों की कस्टडी बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

कोर्ट में पेशी के दौरान सिया और चेतन ने नार्को (पॉलीग्राफ) टेस्ट से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि एक दिन सिया के वकील ने पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए सिया की सहमति होने का बात कही थी।

वडगांव कोर्ट के जज एएम विभूते ने कहा कि आरोपियों की सहमति के बिना यह टेस्ट नहीं किया जा सकता, इसलिए अब उनका नार्को टेस्ट नहीं होगा।

सिया और चेतन पर आरोप है कि उन्होंने केतन को 18 जून को पुणे के लोहगढ़ फोर्ट से धक्का देकर मार डाला था। केतन और

सिया की शादी इस साल नवंबर में होने वाली थी।

- कोडवर्ड में चैट करते थे चेतन और सिया, एक और मोबाइल जब्त

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि सिया और चेतन ने हत्या की साजिश रचते समय बातचीत के लिए 'कोडवर्ड' का इस्तेमाल किया था। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल से डिलीट किया गया बड़ा डेटा रिकवर कर लिया है और उसमें इस्तेमाल की गई सांकेतिक भाषा को डिकोड करने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। दोनों की चैट में कोड वाली भाषा है, जिसमें निकनेम और इमोजी शामिल हैं, जिनका मतलब सिर्फ आरोपी ही बता सकते हैं। पुलिस ने शुक्रवार को सिया के घर से एक और मोबाइल जब्त किया है। जिसे छिपाकर रखा गया था।

मर्डर में तीसरे शख्स के शामिल होने का शक

पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने बीड से एक युवक को हिरासत में लिया है। यह युवक बालेवाड़ी की एक कंपनी में काम करता है। दावा है कि तीसरा शख्स सिया या केतन में किसी एक का दोस्त है। दोनों ने उससे केतन के मर्डर की प्लानिंग शेयर की थी। हालांकि युवक का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। पुलिस युवक को गवाह भी बना सकती है।

अमेरिका 250 साल के लिए टाइम कैप्सूल दफन करेगा

- 408 किलो वजन
- इसमें व्हेल की हड्डी से AI की भविष्यवाणी तक

4 जुलाई को अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे होने के मौके पर 408 किलो का एक टाइम कैप्सूल जमीन में दफनाया जाएगा। इसे फिलाडेल्फिया के इंडिपेंडेंस नेशनल हिस्टोरिकल पार्क में दफनाया जाएगा और 250 साल बाद यानी 2276 में खोला जाएगा।

इसकी जानकारी नेशनल पार्क

सर्विस के आधिकारिक रिकॉर्ड में भी दर्ज की गई है, ताकि 250 साल बाद आने वाली पीढ़ियां इसे ढूंढ सकें और इसके बारे में जान सकें।

इस कैप्सूल में 50 राज्यों और आम लोगों की ओर से चुनी गई यादगार चीजें रखी गई हैं, जिसमें व्हेल की हड्डी, दुनिया के सबसे बड़े जिप्सम रेगिस्तान की रेत, राइट बंधुओं के विमान का कपड़ा, AI की भविष्यवाणी और कई ऐतिहासिक दस्तावेज शामिल हैं।

टाइम कैप्सूल बंद पेटी या कंटेनर होता है, जिसमें किसी दौर की चीजें सुरक्षित रखी जाती हैं, ताकि भविष्य की पीढ़ियां उस समय के समाज, तकनीक, संस्कृति और जीवन को समझ सकें।

टाइम कैप्सूल बनाना जितना मुश्किल नहीं था, उससे बड़ी चुनौती उसे 250 साल तक सुरक्षित रखना था। वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल था कि जमीन के नीचे रखी चीजें ढाई सौ साल बाद भी सुरक्षित कैसे मिले।

इस वजह से प्रोजेक्ट से जुड़े कई विशेषज्ञों को इसमें शामिल किया गया। कई साल की रिसर्च के बाद ऐसा डिजाइन तैयार किया गया, जो पानी, नमी, जंग और मौसम के असर से कैप्सूल को बचा सके। यह कैप्सूल चौकोर नहीं, बल्कि बेलन (सिलेंडर) के आकार का है। वैज्ञानिकों के अनुसार चौकोर डिब्बों के कोने समय के साथ कमजोर पड़ जाते हैं और वहीं से पानी अंदर जाने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है।

प्रधानमंत्री को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस यात्रा को लेकर उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है। ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम मोदी को लेकर आई इस धमकी के बाद ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा अधिकारी सतर्क हो गए हैं और उन्होंने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। पीएम मोदी के ऑस्ट्रेलियाई कार्यक्रम के मुताबिक 9 जुलाई को प्रधानमंत्री ऑस्ट्रेलिया में 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

अर्जेंटीना फुटबॉल वर्ल्डकप के अंतिम-16 में, केप वर्डो को हराया

- मेसी लगातार आठ मैच में गोल करने वाले पहले फुटबॉलर
- ऑस्ट्रेलिया बाहर

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना फुटबॉल वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। उसने शनिवार सुबह खेले गए मुकाबले में केप वर्डे को 3-2 से हराया। अब मंगलवार को उसका मुकाबला इजिप्ट से होगा। इजिप्ट ने ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर बाहर किया। एक अन्य मैच में कोलंबिया ने घाना को 1-0 से हराया।

मियामी स्टेडियम में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने 29वें मिनट में गोल दागा और अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम के बाद डर्लो डुआर्टे ने 59वें मिनट में गोल स्कोर करके केप वर्डे को बराबरी पर ला दिया।

फिर एमिलियानो मार्टिनेज ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल करके एक बार फिर अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई, लेकिन सिडनी लोपेज ने 13वें मिनट में गोल करके मैच को एक्स्ट्रा टाइम में धकेल दिया। 111वें मिनट में केप वर्डे के डिनये से ऑन गोल हो गया, इसी गोल ने मैच का नतीजा तय किया।

मेसी के गोल से बने रिकॉर्ड

- मेसी 30 वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले दुनिया के इकलौते फुटबॉलर बने हैं।
- मेसी मौजूदा वर्ल्ड कप के टॉप गोल स्कोरर हैं। वे अब तक 7 गोल कर चुके हैं।
- मेसी 2 वर्ल्ड कप एडीशन में 7 गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए हैं।
- मेसी वर्ल्ड कप करियर में 20 गोल कर चुके हैं। वे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।
- मेसी ने लगातार 8वें वर्ल्डकप मैच में गोल दागा है। वे लगातार सबसे ज्यादा मैचों में गोल करने वाले खिलाड़ी बने हैं।

प्री-क्वार्टर फाइनल मैच

तारीख	मैच	समय (स्टेडियम)
4 जुलाई	कनाडा vs मोरक्को	10:30 PM (ह्यूस्टन स्टेडियम)
5 जुलाई	पैराग्वे vs फ्रांस	2:30 AM (फिलाडेल्फिया स्टेडियम)
6 जुलाई	ब्राजील vs नार्वे	1:30 AM (न्यू जर्सी स्टेडियम)
	मैक्सिको vs इंग्लैंड	5:30 AM (मैक्सिको सिटी स्टेडियम)
7 जुलाई	पुर्तगाल vs स्पेन	00:30 AM (डलास स्टेडियम)
	अमेरिका vs बेल्जियम	5:30 AM (सिएटल स्टेडियम)
	अर्जेंटीना vs इजिप्ट	21:30 PM (एटलांटा स्टेडियम)
8 जुलाई	स्विट्जरलैंड vs कोलंबिया	1:30 AM (बीसी पैलेस, वैंकूवर)

अयोध्या राम मंदिर की रेकी करने वाला आतंकी घोषित

- आरोपी पाकिस्तान का नागरिक, हाफिज सईद का रिश्तेदार
- 23 आतंकियों की लिस्ट में 17 पाकिस्तानी

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने शनिवार को 23 लोगों को आतंकी घोषित किया है। इनमें एक आतंकी वो भी है जिसने अयोध्या में राम मंदिर और नागपुर में RSS की रेकी की थी। हालांकि ये रेकी कब की गई थी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इस आतंकी की पहचान मोहम्मद मुसादिक के रूप में हुई है। यह हाफिज सईद का रिश्तेदार है।

सरकार का कहना है कि लिस्ट में शामिल सभी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद (JeM), लश्कर-ए-तैयबा (LeT), द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) और जमात-उद-दावा (JuD) जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े हैं।

सरकार के मुताबिक ये लोग आतंकियों की भर्ती, भारत में घुसपैठ, आतंकी हमलों की साजिश, आतंक के लिए पैसे जुटाने, हथियार पहुंचाने और अन्य मदद करने में शामिल रहे हैं।

घोषित 23 आतंकियों में 6 जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी हैं, जबकि 17 पाकिस्तान के रहने वाले हैं। इनमें 7 पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) और 10 पाकिस्तान में रह रहे हैं। इन 23 नामों के जुड़ने के बाद सरकार की तरफ से घोषित आतंकियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है।

कुछ आतंकी आर्मी कैंप हमला और सुनजवां हमले से जुड़े

- सरकार ने जिन जैश आतंकियों को लिस्ट में शामिल किया है। उनमें कुछ 2016 के नगरोटा आर्मी कैंप हमले और 2022 के सुनजवां हमले से जुड़े बताए जा रहे हैं।
- 29 नवंबर 2016 को जम्मू के नगरोटा आर्मी कैंप पर सेना की वर्दी पहनकर आए तीन आतंकियों ने हमला किया था। इस हमले में 7 जवान शहीद हुए थे, जवाबी कार्रवाई में तीनों आतंकी मारे गए। जांच एजेंसियों ने इस हमले के पीछे जैश-ए-मोहम्मद का हाथ बताया था।
- इसके बाद 22 अप्रैल 2022 को जम्मू के सुनजवां इलाके में आतंकियों ने CISF के जवानों को ले जा रही बस पर हमला किया। इस हमले में एक CISF जवान शहीद हुआ और कई अन्य घायल हुए। हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी। बाद में जांच में सीमा पार से संचालित आतंकी नेटवर्क की भूमिका सामने आई थी।

पंजाब में जीजा को जिंदा जलाया

- बचाने आई भाभी भी जलकर मरी
- पत्नी को लेने अमृतसर से तरनतारन गया था

तरनतारन. तरनतारन में अपनी पत्नी को मायके से ससुराल ले जाने आए पति को उसके ही साले ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इसमें व्यक्ति की मौत हो गई। उसे बचाने आई भाभी भी आग की चपेट में आई, जिससे उसकी भी जान चली गई।

इतना ही नहीं, इन दोनों को आग के हवाले करने वाला साला भी चपेट में आ गया, जिससे वह भी बुरी तरह झुलस गया। हालांकि, मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचा लिया। यह दुर्घटना तो पिछले महीने

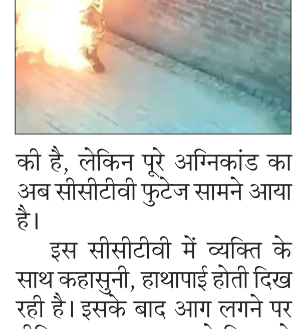

की है, लेकिन पूरे अग्निकांड का अब सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

इस सीसीटीवी में व्यक्ति के साथ कहासुनी, हाथापाई होती दिख रही है। इसके बाद आग लगने पर पीड़ित इधर-उधर भागते दिख रहे हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

- 13 जून को हुई वारदात

यह मामला तरनतारन के गांव संघा का है। यह वारदात 13 जून को हुई। मृतक की पहचान अमृतसर के गांव लोपोके के निवासी लवप्रीत सिंह के रूप में हुई है। 13 जून को वह अपनी पत्नी संदीप कौर को मनाकर ससुराल लाने के लिए उसके मायके गांव संघा पहुंचा था। इनकी 9 महीने पहले शादी हुई थी। कुछ दिन बाद ही झगड़ के बाद पत्नी मायके चली आई थी और यहीं रह रही थी। ससुराल पहुंचने पर लवप्रीत सिंह की उसके ससुराल वालों से बहस हुई। पड़ोसी भी मौके पर जमा हो गए। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और लवप्रीत का साला साजन सिंह पेट्रोल की बोतल उठा लाया। उसने वह बोतल अपने जीजा लवप्रीत पर उढ़ेल दी।

40 दिन में घटकर 4 फीट के हुए बाबा बर्फानी

- अमरनाथ यात्रा का आज दूसरा दिन
- 23 मई को जारी पहली तस्वीर में आकार 7 फीट था

अमरनाथ. अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार 4 फीट रह गया है। 23 मई को BSF के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था।

29 जून को प्रथम पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 3 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 4 फीट का दिखाई दे रहा है। इसकी चौड़ाई भी घट गई है। यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन है। पहले दिन 12 हजार यात्रियों ने अमरनाथ गुफा में दर्शन किए हैं। दूसरा जत्था आज पहुंचेगा, जबकि तीसरा जत्था भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हो गया है।

आइस स्टैलेग्माइट हैं अमरनाथ के बाबा बर्फानी

अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है।

संक्षेप...

कट मारने के विवाद पर युवक की बेरहमी से पिटाई

कल्याण. कल्याण के आंबिवली स्टेशन परिसर में सड़क पर कट मारने के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि ईरानी बस्ती के तीन युवकों ने एक व्यक्ति को रिक्शा से नीचे उतारकर लात-घूंसों से बेरहमी से पीट दिया। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी पत्नी के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। खड़कपाड़ा पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, भावेश पाटील बुधवार रात रिक्शा से घर लौट रहे थे।

जोरदार बारिश से कल्याण-डोंबिवली के कई इलाके जलमग्न

■ घरों और दुकानों में घुसा पानी

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र में शनिवार आधी रात से शुरू हुई मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शहर की कई प्रमुख सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर जाने से नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश का पानी कल्याण जिला सत्र न्यायालय परिसर में भी घुस गया था। जमा पानी के बीच से होकर मुवक्किलों, वकीलों, पुलिसकर्मियों और न्यायालय के कर्मचारियों को रास्ता बनाकर निकलना पड़ा। कल्याण पश्चिम के डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर रोड पर भी पानी जमा हो गया था।

■ नागरिकों ने वीडियो बनाकर प्रशासन से मांगी मदद

कल्याण पूर्व के चिंचपाड़ा स्थित राहुल नगर इलाके में बारिश का पानी सीधे घरों में घुस जाने से लोगों को भारी असुविधा हुई। घरों में पानी घुसने के बाद नागरिकों ने उसके वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किए और इन वीडियो के माध्यम से महापालिका प्रशासन से मदद की मांग की। कचोरे इलाके में भी पानी जमा हो गया था। न्यू गोविंदवाड़ी मार्ग पर भूषण जिम के सामने फुटपाथ पर

स्थित नाले का ढक्कन टूट जाने से नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए। कल्याण पश्चिम के मोहिंदर सिंह काबूल सिंह इलाके की चालों में भी बारिश का पानी घुस गया। घरों से पानी निकालने में नागरिकों का काफी समय लग गया। पानी घुसने से घरों में रखा घरेलू सामान भी खराब हो गया है। टिटवाला के इंदिरानगर इलाके में भी लोगों के घरों में पानी भरने की घटना सामने आई, जिससे रहवासियों को रातभर जागकर हालात का सामना करना पड़ा।

नेवाली में सड़कें फिर हुई जलमग्न-

अंबरनाथ-काटई मार्ग पर नेवाली इलाके में आज फिर बारिश का पानी जमा हो जाने से नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस इलाके के शिंदे सेना पदाधिकारी चैन्यू जाधव ने पानी भरने के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। 1 जुलाई से इस इलाके में बारिश के पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन अब तक नहीं जागा है। इससे प्रशासन की लापरवाही साफ नजर आती है।

लोकग्राम में पेड़ गिरने से गाड़ियों का नुकसान

कल्याण पूर्व के लोकग्राम इलाके में बारिश के कारण एक बड़ा पेड़ गिर गया। यह पेड़ वहां खड़ी दो चारपहिया गाड़ियों पर गिरा, जिससे दोनों वाहनों को भारी नुकसान हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा। साथ ही महापालिका की आपातकालीन टीम के कर्मचारी भी वहां पहुंचे और गिरे हुए पेड़ को हटाने का काम शुरू किया गया।

TET पेपर लीक मामले में आगरा से 3 गिरफ्तार

भिवंडी. D.Ed एग्जाम पास करने वाले टीचरों के लिए क्वालिफाइंग एग्जाम TET एग्जाम पेपर लीक होने की घटना के बाद हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। इस जुर्म में संजयकुमार सुरेशचंद्र शर्मा, (44), बाबूलाल नारायणसिंह कुशवाह, (45), नरेशकुमार पूरनचंद माहौर उर्फ निकी, (35) को आगरा में पेंटिंग प्रेस महिम पत्रण प्राइवेट लिमिटेड, आगरा से क्वेश्चन पेपर निकालने के जुर्म में सीधे तौर पर शामिल होने के शक में गिरफ्तार किया गया। तीनों को शनिवार को भिवंडी कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 9 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

पुलिस जांच में पता चला है कि ये तीनों TET पेपर लीक मामले में शामिल हैं और प्रिंटिंग प्रेस से क्वेश्चन पेपर निकालने में शामिल थे। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इन तीनों ने इस मामले में कोई फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन किया है। इससे पहले इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था और अब इन तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ, इस TET पेपर लीक मामले में आरोपियों की कुल संख्या दस हो गई है। आज गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी आगरा में एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करते हैं. इसलिए, हमने कोर्ट के सामने यह मामला पेश किया है कि इन मज़दूरों का TET मामले से कोई फाइनेंशियल या दूसरा कनेक्शन नहीं है, ऐसा आरोपियों के वकील एंड. शैलेश गायकवाड़ ने कहा।

भिवंडी में मूसलाधार बारिश का कहर जारी

■ नालों से निकलकर सड़कों पर बह रहा कचरा,गंदा पानी
■ शहर की सड़कों पर पैदल चलना भी दुश्वार
■ मनपा प्रशासन की लापरवाही से शहर हुआ तालाब

भिवंडी. भिवंडी में पिछले 4 दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने अब विकराल रूप धारण कर लिया है. मूसलाधार बारिश के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो

गया है.कई निचले इलाकों में झोपड़ियों, दुकानों, घरों और कारखानों में कमर तक पानी भर गया, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.कई परिवार पूरी रात जागकर घरों से पानी निकालने और सामान सुरक्षित करने में जुटे रहे.

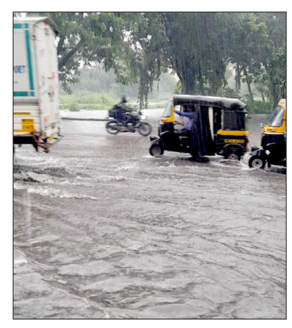

■ शहर का प्रमुख बाजार हुआ तालाब.

भिवंडी शहर के प्रमुख मार्ग और बाजार क्षेत्र में भारी जलजमाव से लोगों के लिए भारी दुखदाई साबित हुआ. भिवंडी कल्याण मार्ग स्थित साईं बाबा मंदिर के पास पद्मदिशा पैराडाइज, बाजार तीनबत्ती,भाजी मार्केट,शिवाजी नगर,अंबिका नगर, अंजूरफाटा,शिवाजी चौक, म्हाडा कालोनी,नवी बस्ती, घूंघट नगर,बारीकियां कंपाउंड, फेना पाड़ा, नारपोली देवजी नगर नाका और अन्य निचले रहिवासी क्षेत्रों में भारी जलभराव हो गया. कई स्थानों पर गटर और सीवर चैंबर उफान पर आ गए, जिससे गंदा पानी सड़कों पर फैल गया. मनपा प्रशासन के तमाम दावे की जलनिकासी व्यवस्था चरमरा गई.

बारिश में ट्रैफिक जाम से परेशान हो रहे लोग

मनपा की लापरवाही से बारिश के पानी की ठीक से निकासी नहीं होने के कारण शहर की तमाम मुख्य सड़कें तालाब में तब्दील होने से यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ. लोगों का आरोप है कि भिवंडी शहर में करीब 3 करोड़ खर्च के बाद भी नाला, गटर सफाई ठीक से नहीं होने से मनपा प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा शहरवासी भोग रहे हैं.बारिश का सबसे अधिक असर व्यापारिक क्षेत्रों में देखने को मिला.तीन बत्ती की अनेक दुकानों और छोटे कारखानों में पानी घुसने से व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा.दुकानदारों ने जल्दबाजी में सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, जबकि ग्राहकों और राहगीरों को जलभराव के बीच आवागमन करना पड़ा.

■ ग्रामीण एरिया में भी बारिश की आफ़त

ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात गंभीर बने हुए हैं.कई गांवों में जलभराव से खेत डूब गए हैं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है. कई आंतरिक सड़कें पानी में डूबने से गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ है. प्रशासन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है.मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भी भारी बारिश की संभावना जताते हुए निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की है.

ठाणे में पेड़ गिरने से दो बाइक सवार घायल

ठाणे. मुंबई मौसम विभाग के अनुसार, ठाणे शहर में भारी बारिश हो रही है और इसी बारिश के दौरान कलवा के खारीगांव इलाके में पेड़ गिरने से दो बाइक सवार घायल हो गए हैं। दोनों को इलाज के लिए कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

मुंबई मौसम विभाग ने शनिवार, 4 जुलाई और रविवार, 5 जुलाई को ठाणे जिले के लिए रेड अलर्ट घोषित किया है। जिले में शनिवार सुबह से ही बारिश की तेज़ी धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। इसलिए, मौसम विभाग का अनुमान अब सच होता दिख रहा

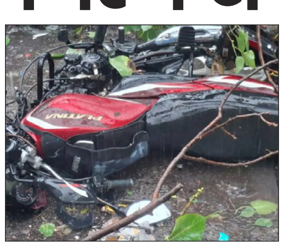

है। स्टूडेंट्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, ठाणे जिला प्रशासन ने शनिवार, 4 जुलाई को जिले के सभी आंगनवाड़ी के साथ-साथ प्राइमरी, सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी।

जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे ज़रूरी काम के अलावा अपने घरों से बाहर न निकलें। जवाब में, कई लोगों ने अपने घरों से बाहर निकलने से परहेज किया है, इसलिए सड़क पर गाड़ियों की संख्या कम है। इस वजह से हाईवे पर अभी तक ट्रैफिक जाम नहीं लगा है। इसी भारी बारिश के दौरान, ठाणे के खारीगांव इलाके में एक पेड़ दो बाइक पर गिर गया, जिससे दो लोग घायल हो गए।

इस घटना में घायल हुए टू-व्हीलर सवारों के नाम विजय पाली (32) और राजकुमार यादव (34) हैं। विजय दिवा के सबेगांव इलाके में रहता है। जबकि राजकुमार कलवा के पूर्वी इलाके में रहता है। वे दोनों शनिवार सुबह कलवा के खारेगांव इलाके से अपने टू-व्हीलर पर जा रहे थे। उस समय, भारी बारिश के दौरान खारेगांव नाका इलाके में एक पेड़ उनके टू-व्हीलर पर गिर गया। इसमें वे दोनों घायल हो गए।

स्थानीय नागरिक इलाज के लिए कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल पहुंचे। विजय के दाहिने पैर में चोट आई है, जबकि राजकुमार के सीने और कमर में चोट आई है। ठाणे डिजास्टर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट और फायर ब्रिगेड ने पेड़ को काटकर हटाया और इस रास्ते पर ट्रैफिक फिर से शुरू किया।

SIR अभियान प्रशिक्षण में कार्यकर्ता की रिकॉर्ड मौजूदगी

ठाणे. आने वाले राजनीतिक डेवलपमेंट और ऑर्गनाइज़ेशनल बिल्डिंग के बीच, ठाणे शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने SIR अभियान के तहत एक ट्रेनिंग कैंप लगाया, जिसमें कार्यकर्ताओं से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। भारी बारिश के बावजूद, बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए और ऑर्गनाइज़ेशन को मज़बूत करने का अपना इरादा दिखाया।महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के गाइडेंस में लगे इस अभियान में ट्रेनर डॉ. निमिष साने ने अभियान के मकसद, बूथ लेवल प्लानिंग, वोटर्स के साथ असरदार कम्युनिकेशन, ऑर्गनाइज़ेशनल डिसिप्लिन और आने वाले काम के तरीकों पर डिटेल में गाइडेंस दी। ट्रेनिंग के दौरान, वर्कर्स ने कई सवाल उठाए और अभियान को लागू करने के बारे में गहराई से चर्चा की।प्रोग्राम की शुरुआत में, ठाणे शहर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल पिंगले ने पूर्व मुख्यमंत्री वसंतराव नाइक को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि दी।

नशे की लत से छुटकारा पाने का तरीका साइंस और रिहैबिलिटेशन है!

ठाणे. शराब की लत सिर्फ एक पर्सनल प्रॉब्लम नहीं है, बल्कि पब्लिक हेल्थ के लिए एक गंभीर चुनौती है। नेशनल डॉक्टर्स डे के मौके पर ठाणे रीजनल साइकेट्रिक हॉस्पिटल में ऑर्गनाइज़्ड साइंटिफिक सिंपोजियम 'शराब की लत की कला और साइंस' में इस लत को साइंटिफिक अप्रोच, सेंसिटिविटी और सही इलाज से देखने का मैसेज दिया गया।

इंटरनेशनल एंटी-ड्रग डे और नेशनल डॉक्टर्स डे के मौके पर मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक की गाइडेंस में ऑर्गनाइज़्ड सिंपोजियम के पहले सेशन में डॉ. भूषण पाटिल ने शराब की लत के बायोलॉजिकल, साइकोलॉजिकल, सोशल और फैमिली पहलुओं को समझाया।

नशे की लत का असर इंसान के साथ-साथ पूरे परिवार पर भी पड़ता है। इसलिए, उन्होंने समय पर डायग्नोसिस, पब्लिक अवेयरनेस और मिलकर कोशिश करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इसके बाद, क्लास-1 साइकेट्रिस्ट डॉ. अमोल भुसारे ने शराब की लत के मॉडर्न इलाज के तरीकों, दवा, काउंसलिंग, रिहैबिलिटेशन, दोबारा लत लगने से रोकने के तरीकों और परिवार के सपोर्ट की भूमिका के बारे में गाइड किया। उन्होंने कहा कि अगर नशे की लत वाले व्यक्ति को दोष देने के बजाय हमदर्दी, सम्मान और लगातार साइकोलॉजिकल सपोर्ट दिया जाए तो नशे की लत से उबरना ज़्यादा असरदार होता है। इस सेमिनार में हॉस्पिटल के अलग-अलग डिपार्टमेंट के मेडिकल ऑफिसर, नर्सिंग स्टाफ, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर और कर्मचारियों ने अपने-आप हिस्सा लिया।

तृषा कृष्णन ZARA की होम डिलीवरी पर भड़कीं

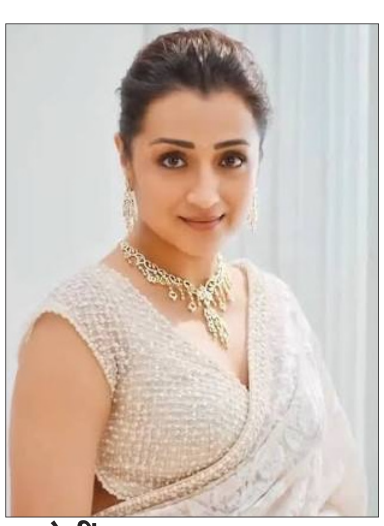

■ बोलीं- लगातार तीसरी बार शरीर की बदबू वाले कपड़े मिले,
■ पैक करने से पहले सूंघकर जरूर देखें

एक्ट्रेस तृषा कृष्णन ने अपैरल ब्रांड ZARA की होम डिलीवरी सर्विस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर दावा किया कि लगातार तीसरी बार उन्हें ऐसे कपड़े मिले, जिनसे शरीर की बदबू आ रही थी।

तृषा ने अपनी पोस्ट में लिखा, ₹प्रिय @zara @zaracare, एक छोटी-सी रिक्वेस्ट है। अगली बार होम डिलीवरी भेजने से पहले कृपया यह सुनिश्चित करें कि कपड़ों से शरीर की बदबू न आ रही हो। लगातार तीसरी बार ऐसा हुआ है। यह बहुत बुरा एक्सपीरियंस है। पैक करने से पहले कम से कम कपड़ों को सूंघकर देख लें।₹

वर्कफ्रंट की बात करें तो तृषा कृष्णन हाल ही में फिल्म 'करुप्पु' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ सूर्या ने अभिनय किया है। फिल्म 'करुप्पु' बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। फिल्म ने दुनिया भर में करीब 309 करोड़ रुपए की कमाई की।

फिल्म में आरजे बालाजी ने विलेन की भूमिका निभाई, जबकि इंद्रंस, अनाघा माया रवि, नैट्टी सुब्रमण्यम, शिवादा, स्वासिका और सुप्रीत रेड्डी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए।

वहीं, अफेयर की खबरों के बीच एक्ट्रेस तृषा ने मुख्यमंत्री विजय के 52वें जन्मदिन के एक दिन बाद सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी थी। उन्होंने केक के साथ दोनों की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, ₹उस इंसान को जन्मदिन मुबारक, जो हर चीज को मायने देता है।₹

■ गौरतलब है कि विजय के तलाक की खबर सामने आने के बाद एक्ट्रेस तृषा का नाम विजय के साथ जुड़ा। हालांकि, विजय और तृषा ने अब तक रिश्ते को लेकर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया। 10 मई को तृषा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुई थीं। वहीं, 4 मई को तमिलनाडु चुनाव रिजल्ट के दिन तृषा विजय के घर भी पहुंची थीं।
विजय और तृषा ने 'गिल्ली', 'तिरुपाची', 'आथी' और 'कुरुवी' जैसी फिल्मों में साथ काम किया। ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के कारण पहली बार उनके अफेयर की अफवाहें उड़ीं।

14 से 25 साल से काम कर रहे अधिकारी व कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत

ठाणे. सरकार के निर्देश के मुताबिक ज़िला परिषद ठाणे के 53 कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारी जो 2001-02 से सर्व शिक्षा अभियान और समग्र शिक्षा के तहत काम कर रहे थे, उन्हें एडजस्ट करके सरकारी सर्विस में शामिल कर लिया गया है। इस फैसले से पिछले 14 से 25 साल से लगातार काम कर रहे कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है।2001-02 में सर्व शिक्षा अभियान शुरू होने के बाद, महाराष्ट्र प्राइमरी एजुकेशन काउंसिल रेगुलेशन, 1994 और 13 मार्च, 2003 के सर्कुलर के अनुसार, ज़िला और तहसील स्तर पर अलग-अलग पोस्ट बनाई गईं। ज़िला स्तर पर एक सिलेक्शन कमिटी बनाई गई और अखबारों में विज्ञापन छपवाए गए और इन अधिकारियों और कर्मचारियों को लिखित और मौखिक परीक्षाओं के ज़रिए मेरिट लिस्ट के आधार पर नियुक्त किया गया।समग्र शिक्षा विभाग में एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, जूनियर इंजीनियर, डेटा एंट्री ऑपरेटर और असिस्टेंट, सीनियर अकाउंट क्लर्क और कैशियर,एमआईसी कोऑर्डिनेटर और सब्जेक्ट एक्सपर्ट जैसे अलग-अलग पोस्ट पर कुल 53 अधिकारी और कर्मचारी काम कर रहे थे। इन सभी ने शिक्षण स्कीम को असरदार तरीके से लागू करने में लगातार योगदान दिया है और उनकी सर्विस 14 से 25 साल तक की है।इन कर्मचारियों ने स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर, टीचर ट्रेनिंग, डिजिटल इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, फाइनेंशियल प्लानिंग, स्पेशल ज़रूरतों वाले स्टूडेंट्स के लिए एक्टिविटी और अलग-अलग एजुकेशनल स्कीम को सफलतापूर्वक लागू करने के मामले में सर्व शिक्षा अभियान से समग्र शिक्षा अभियान तक के सफ़र में अहम भूमिका निभाई है।

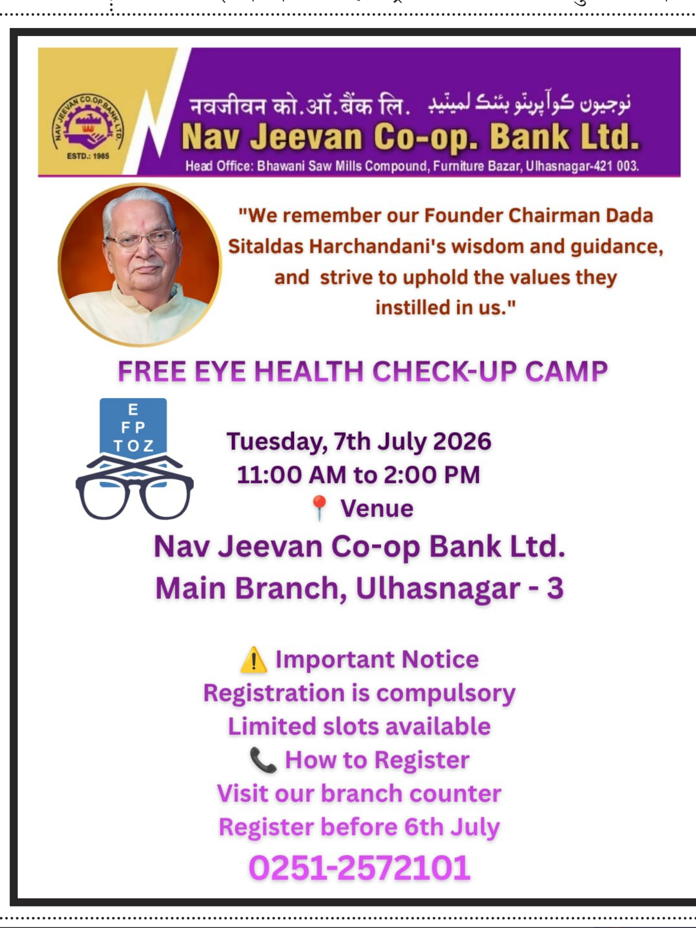

आम सूचना

मैं नजमा जमाल अनसारी सभी को सूचित कर रही हूं कि प्रापर्टी, ब्लॉक-ए के सामने, इंदिरा गांधी कालोनी, 200 चौ.फुट, उल्हासनगर-1 (टैक्स नं. 09एओ017457100) उक्त प्रॉपर्टी इमरान जमाल अहमद अनसारी और अन्य दो जनों ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 2.7.2026 सी.नं. 429/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
नजमा जमाल अनसारी

आम सूचना

मैं नजमा जमाल अनसारी सभी को सूचित कर रही हूं कि प्रापर्टी, ब्लॉक-ए के सामने, इंदिरा गांधी कालोनी, 250 चौ.फुट, उल्हासनगर-1 (टैक्स नं. 09एओ017644400) उक्त प्रॉपर्टी इमरान जमाल अहमद अनसारी और अन्य दो जनों ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 2.7.2026 सी.नं. 433/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
नजमा जमाल अनसारी

आम सूचना

मैं नजमा जमाल अनसारी सभी को सूचित कर रही हूं कि प्रापर्टी, ब्लॉक-ए के सामने, इंदिरा गांधी कालोनी, 300 चौ.फुट, उल्हासनगर-1 (टैक्स नं. 09एओ015115400) उक्त प्रॉपर्टी इमरान जमाल अहमद अनसारी और अन्य दो जनों ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 2.7.2026 सी.नं. 431/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
नजमा जमाल अनसारी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099